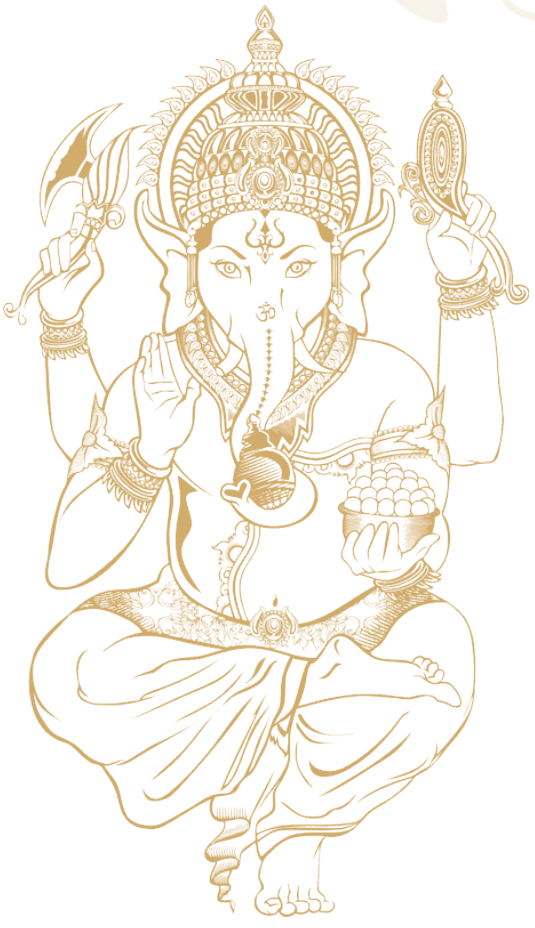

Mr.khushi

23 Jul 2005

09:01 AM

Ahmadgarh

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119445313

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/07/2005	जन्म तिथि	**23/07/2025**
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:01:35	जन्म समय	11:53:52 घंटे
घटी 08:26:50	जन्म समय(घटी)	15:37:18 घटी
India	देश	India
Ahmadgarh	स्थान	Ahmadgarh
उत्तर 30:41:00	अक्षांश	30:41:00 उत्तर
पूर्व 75:50:00	रेखांश	75:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:50	सूर्योदय	05:38:56
19:26:59	सूर्यास्त	19:26:53
23:56:01	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:55
सिंह	लग्न	कन्या
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कुम्भ	राशि	मिथुन
शनि	राशि-स्वामी	बुध
धनिष्ठा	नक्षत्र	आर्द्रा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	राहु
3	चरण	3
आयुष्मान	योग	व्याघात
वणिज	करण	विष्टि
गू-गूजरमल	जन्म नामाक्षर	ङ--
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	श्वान
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार
20	गत/तत्कालिक वर्ष	21

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पू०फाल्गुनी	2	18:30:49	सिंह			लग्न			कन्या	25:42:27	1	चित्रा
पुष्य	1	06:27:29	कर्क			सूर्य			कर्क	06:27:29	1	पुष्य
धनिष्ठा	3	00:37:20	कुंभ			चंद्र			मिथु	16:27:18	3	आर्द्रा
अश्विनी	1	03:03:13	मेष			मंगल			सिंह	26:44:57	1	उ०फाल्गुनी
आश्लेषा	3	26:32:10	कर्क	व		बुध	व	अ	कर्क	20:19:30	2	आश्लेषा
हस्त	3	18:11:15	कन्या			गुरु			मिथु	15:36:07	3	आर्द्रा
मघा	2	06:11:32	सिंह			शुक्र			वृष	26:42:17	2	मृगशिरा
पुष्य	2	06:55:19	कर्क		अ	शनि	व		मीन	07:38:01	2	उ०भाद्रपद
रेवती	2	22:51:06	मीन	व		राहु	व		कुंभ	25:10:18	2	पू०भाद्रपद
हस्त	4	22:51:06	कन्या	व		केतु	व		सिंह	25:10:18	4	पू०फाल्गुनी
शतभिषा	3	16:16:37	कुंभ	व		मु			मेष	18:30:49	2	भरणी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:55

लग्न-चलित

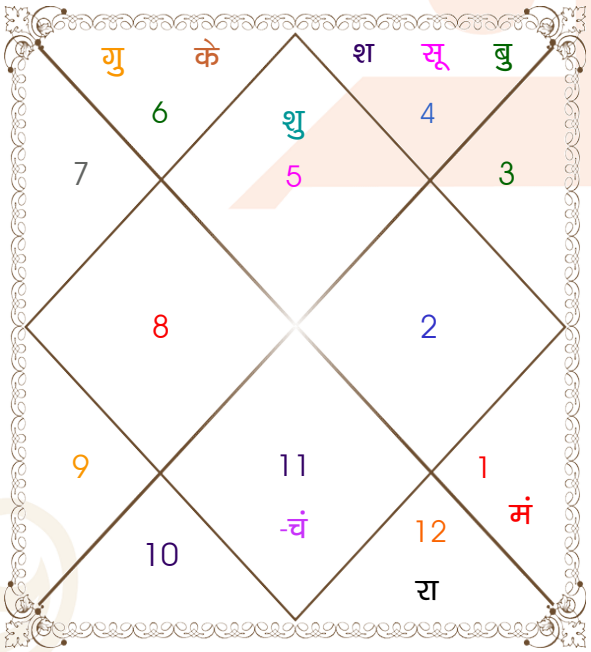

वर्ष लग्न कुंडली

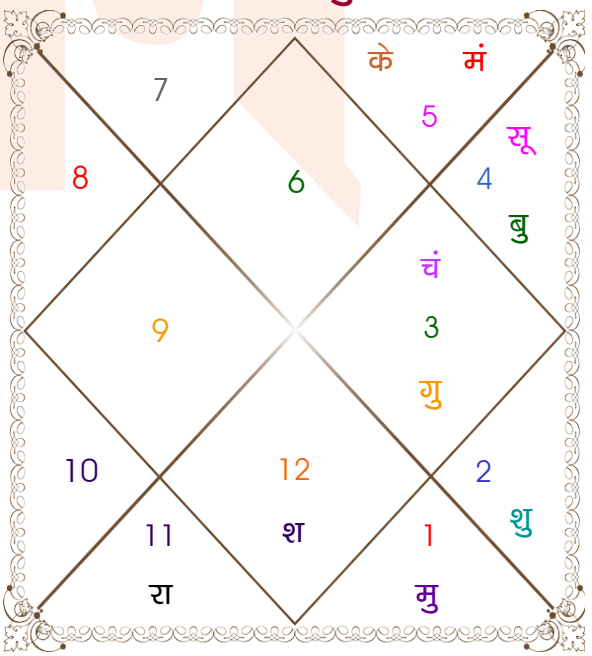

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - मंगल - मंगल	
06/09/2025 10:34	
28/09/2025 19:29	
मंगल	07/09/2025 17:53
राहु	11/09/2025 02:26
गुरु	14/09/2025 02:01
शनि	17/09/2025 15:02
बुध	20/09/2025 19:06
केतु	22/09/2025 02:25
शुक्र	25/09/2025 19:54
सूर्य	26/09/2025 22:45
चंद्र	28/09/2025 19:29

राहु - मंगल - राहु	
28/09/2025 19:29	
25/11/2025 08:08	
राहु	07/10/2025 10:35
गुरु	15/10/2025 02:40
शनि	24/10/2025 05:16
बुध	01/11/2025 08:52
केतु	04/11/2025 17:24
शुक्र	14/11/2025 07:31
सूर्य	17/11/2025 04:33
चंद्र	21/11/2025 23:36
मंगल	25/11/2025 08:08

राहु - मंगल - गुरु	
25/11/2025 08:08	
15/01/2026 11:22	
गुरु	02/12/2025 03:46
शनि	10/12/2025 06:05
बुध	17/12/2025 11:56
केतु	20/12/2025 11:32
शुक्र	29/12/2025 00:04
सूर्य	31/12/2025 13:26
चंद्र	04/01/2026 19:42
मंगल	07/01/2026 19:17
राहु	15/01/2026 11:22

राहु - मंगल - शनि	
15/01/2026 11:22	
17/03/2026 04:43	
शनि	25/01/2026 02:07
बुध	02/02/2026 16:35
केतु	06/02/2026 05:35
शुक्र	16/02/2026 08:29
सूर्य	19/02/2026 09:21
चंद्र	24/02/2026 10:48
मंगल	27/02/2026 23:48
राहु	09/03/2026 02:24
गुरु	17/03/2026 04:43

राहु - मंगल - बुध	
17/03/2026 04:43	
10/05/2026 12:40	
बुध	24/03/2026 21:27
केतु	28/03/2026 01:31
शुक्र	06/04/2026 02:50
सूर्य	08/04/2026 20:02
चंद्र	13/04/2026 08:42
मंगल	16/04/2026 12:45
राहु	24/04/2026 16:21
गुरु	01/05/2026 22:12
शनि	10/05/2026 12:40

राहु - मंगल - केतु	
10/05/2026 12:40	
01/06/2026 21:35	
केतु	11/05/2026 19:59
शुक्र	15/05/2026 13:28
सूर्य	16/05/2026 16:19
चंद्र	18/05/2026 13:04
मंगल	19/05/2026 20:23
राहु	23/05/2026 04:55
गुरु	26/05/2026 04:30
शनि	29/05/2026 17:31
बुध	01/06/2026 21:35

राहु - मंगल - शुक्र	
01/06/2026 21:35	
04/08/2026 19:38	
शुक्र	12/06/2026 13:15
सूर्य	15/06/2026 17:58
चंद्र	21/06/2026 01:48
मंगल	24/06/2026 19:17
राहु	04/07/2026 09:23
गुरु	12/07/2026 21:56
शनि	23/07/2026 00:49
बुध	01/08/2026 02:09
केतु	04/08/2026 19:38

राहु - मंगल - सूर्य	
04/08/2026 19:38	
23/08/2026 23:51	
सूर्य	05/08/2026 18:39
चंद्र	07/08/2026 09:00
मंगल	08/08/2026 11:50
राहु	11/08/2026 08:52
गुरु	13/08/2026 22:14
शनि	16/08/2026 23:06
बुध	19/08/2026 16:18
केतु	20/08/2026 19:09
शुक्र	23/08/2026 23:51

राहु - मंगल - चंद्र	
23/08/2026 23:51	
24/09/2026 22:52	
चंद्र	26/08/2026 15:46
मंगल	28/08/2026 12:30
राहु	02/09/2026 07:34
गुरु	06/09/2026 13:50
शनि	11/09/2026 15:17
बुध	16/09/2026 03:56
केतु	18/09/2026 00:41
शुक्र	23/09/2026 08:31
सूर्य	24/09/2026 22:52

गुरु - गुरु - गुरु	
24/09/2026 22:52	
06/01/2027 20:19	
गुरु	08/10/2026 19:20
शनि	25/10/2026 06:07
बुध	08/11/2026 23:22
केतु	15/11/2026 00:49
शुक्र	02/12/2026 08:23
सूर्य	07/12/2026 13:03
चंद्र	16/12/2026 04:51
मंगल	22/12/2026 06:18
राहु	06/01/2027 20:19

गुरु - गुरु - शनि	
06/01/2027 20:19	
10/05/2027 05:16	
शनि	26/01/2027 09:08
बुध	12/02/2027 20:36
केतु	20/02/2027 01:19
शुक्र	12/03/2027 14:49
सूर्य	18/03/2027 18:52
चंद्र	29/03/2027 01:37
मंगल	05/04/2027 06:20
राहु	23/04/2027 18:29
गुरु	10/05/2027 05:16

गुरु - गुरु - बुध	
10/05/2027 05:16	
28/08/2027 14:33	
बुध	25/05/2027 20:35
केतु	01/06/2027 07:08
शुक्र	19/06/2027 16:40
सूर्य	25/06/2027 05:08
चंद्र	04/07/2027 09:55
मंगल	10/07/2027 20:27
राहु	27/07/2027 09:51
गुरु	11/08/2027 03:05
शनि	28/08/2027 14:33

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा गर्मी आदि के द्वारा उत्पन्न रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी सामान्यतया अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे शत्रुपक्ष इस समय आपका प्रबल रहेगा तथा उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा लोकोपवाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आलस्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पिता से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबधों में तनाव तथा कलह का वातावरण विद्यमान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे फलतः आपको समय समय पर आर्थिक कठिनाई रहेगी।

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी तथा किसी प्रकार की हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा कार्य क्षेत्र में भी इनसे कोई परेशानी हो सकती है। अतः ऐसे समय में इनकी आज्ञा का विनम्रता पूर्वक पालन करें तथा इनकी उपेक्षा न करें। इसके साथ ही आपकी कोई यात्रा भी होगी परन्तु इसमें विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः इस वर्ष को अत्यंत शान्ति तथा बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।